बे - ख़बर

ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

किसी ने एक सदमा उधार लिया,
कोई मजबूरी बता , मशहूरियत ले गया।
ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

कोई ठगने के लिए तैयार बैठा है।
यार बताओ, कौन पोटली बांध साथ ले गया,
कोई अनुमान लगाकर बैठा है।
जीवन खत्म है या खत्म होता या रहा है ,
कोई कहता है , 'चल रहे सांस , सज्जनों।

ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

दुनिया दुनिया को नष्ट कर रही है,
प्रकृति खुद से डरती है।
विज्ञान भी भगवान के इशारे पर चल रहा है,
बेफिक्र, लापरवाह, फकीरी,
उसके ऊपर, जुर्राब उड़ रहा है।

ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

आशा की बारात, आशिक इश्क,
तुम सत्य के करीब आ रहे हो, मौत का कफन बांध रहे हो,

ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

अधुरा इश्क, अधुरा चाहत संदीप नर तेरी इमानत,
एक की जरूरत ने दूसरे की जरूरत को बदल दिया,
हंसी उदासी में बदल गई,
तेरी ऐसी कहानी से क्या फायदा,
जिसने दूसरों के घर को नष्ट कर दिया,
बस जाते जाते तेरे ह्रदय को ठंडा गई।
गंगा उल्टी बहा गई.....
किसी का बेटा किसी का पति,
उम्र भर का ऐसा विष पिलाया , ज़िन्दगी को रद्दी कर गई,
मृतकों की कतार में खड़ी कर गई।
दुनिया के सामने एक पर्दा रखो, दुनिया के दिल में तुम क्या जानते हो,
ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

असभ्य स्वभाव, पैसे की भूख,
किसी ने लालच में सब कुछ खो दिया,
कोई पानी पर चला,
कोई आग भी खाता गया ,
किसी ने हवा को भोजन बना लिया ,
कोई अपने आप गायब हो गया।

ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

किसी ने ब्रह्मांड के रहस्य को भ्रमित कर दिया है।

ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है ।

कुछ क्षणों के लिए सब सुन्न हो जाएगा,
यह एक सरल भविष्यवाणी है, अनजान के लिए,
ऐसा समय आएगा,
एक आदमी को एक आदमी की जरूरत नहीं होगी।

ऐसा लगता है कि कोई बे खबर है, कोई मूर्ख है,
पता सबका बस , मौके का इंतजार है

संदीप कुमार नर बलाचौर